केंद्रीय विद्यालय संगठन

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, चंडीगढ़

अभ्यास प्रपत्र

कक्षा दसवीं

विषय हिंदी

कोर्स ए

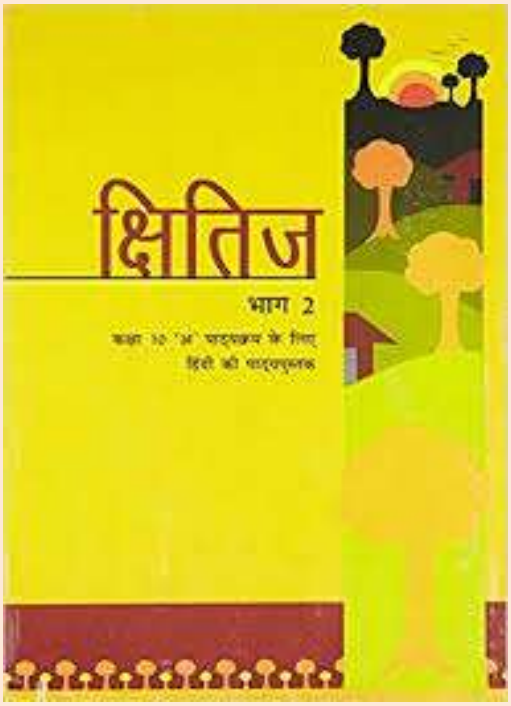

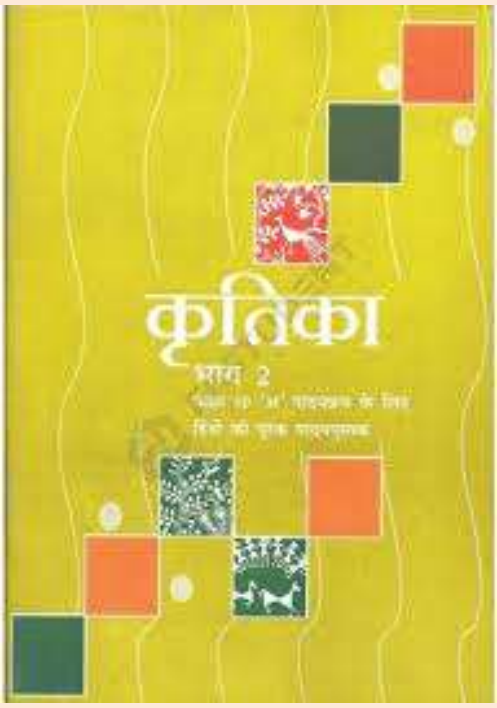

कार्य पत्रक (कक्षा-दसवीं)

नाम : .....अनुक्रमांक ..... दिनांक .....

सूरदास

पठित पद्यांश (क)

उधौ,तुम हौ अति बड़भागी |
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी |
पुरइनि पात रहत जल भीतर,ता रस देह न दागी|
ज़्यौं जल माहँ तेल की गागरी ,बूंद न ताकौं लगी|
प्रीति -नदी मैं पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी|
'सूरदास 'अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज़्यौं पागी|

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए :

1 शब्दों के अर्थ बताइए:

बड़भागी- ---------- पुरइनि- ----------

अपरस- ---------- बोरयौ- ----------

2 प्रस्तुत पद्यांश में गोपियाँ किसे संबोधित कर रही हैं और क्यों ?

--- ---

--- ---

3 उद्धव के विचार गोपियों के विचारों से कैसे अलग हैं ?

--- ---

--- ---

4 गोपियाँ अपनी बात सिद्ध करने के लिए क्या- क्या तर्क देती हैं ?

--- ---

--- ---

--- ---

--- ---

5 'कमल के पत्ते' तथा 'तेल की गागर' में क्या समानता है ,गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना इनसे क्यों की है ?

--- ---

--- ---

--- ---

6 उपर्युक्त गदयांश में किस भाषा का प्रयोग किया गया है?

--- ---

7 -पद के सामने निहित अलंकारों का नाम लिखिए :

प्रीति नदी- ----------

चींटी ज़्यौं पागी- ----------

पुरइनि पात- ---------- ---

कार्य पत्रक (कक्षा-दसवीं)

नाम : .....अनुक्रमांक ..... दिनांक .....

सूरदास

हरि है राजनीति पढ़ि आए|
समुझी बात कहत मधुकर के,समाचार सब पाए |
इक अति चतुर हुते पहिले ही,अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए|
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी,जोग -सँदेस पठाए |
उधौ भले लोग आगे के,पर हित डोलत धाए |
अब अपने मन फेर पाइहैं,चालत जु हुते चुराए |
ते क्यौं अनीति करैं आपुन,जे और अनीति छुड़ाए|
राज धरम तौ यहै 'सुर',जो प्रजा न जाहिं सताए||

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए :

1 शब्दों के अर्थ बताइए :

धाए- ---------- नीति- ----------

मधुकर - ---------- फेरि- ----------

2 गोपियों के अनुसार हरि अब पहले से ज़्यादा चतुर कैसे हो गए हैं ?

--- ---

--- ---

---

3 गोपियों के अनुसार कौन से लोग भले होते हैं ?

--- ---

--- ---

4 गोपियों के अनुसार राजधर्म क्या है ?

--- ---

--- ---

6 प्रस्तुत पद्यांश में अनुप्रास अलंकार का प्रयोग कहाँ कहाँ किया गया है ?

--- ---

--- ---

10 प्रस्तुत पद्यांश में विद्यमान भाषागत विशेषताएँ बताइए :

--- ---

--- ---

--- ---

--- ---

--- ---

--- ---

--- ---

--- ---

कार्य पत्रक (कक्षा-दसवीं)

नाम : .....अनुक्रमांक दिनांक .....

सूरदास

पाठ पर आधारित प्रश्न

1 सूरदास हिन्दी साहित्य के किस काल से संबंध रखते हैं ?

उत्तर.....

.....

2 सूरदास के बार में अपने शब्दों में लिखें |

उत्तर.....

.....

3 सूरदास द्वारा रचित पद्य से आपको उनके युग के बारें में क्या जानकारी मिलती है ?

उत्तर.....

.....

4 सूरदास का वर्तमान परिप्रक्षेय में क्या महत्व है ?

उत्तर.....

.....

5 गोपियाँ तर्क वितर्क द्वारा स्वयं को किसमे असमर्थ बताती हैं ?

उत्तर.....

.....

6 गोपियों ने अपनी बात सिद्ध करने के लिए क्या -क्या तर्क दिए हैं इससे आपको गोपियों की किन विशेषताओं का पता चलता है ?

उत्तर.....

.....

7 सूरदास के भ्रमरगीत की मुख्य विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखें

उत्तर.....

.....

8 उद्धव ज्ञानी थे नीति की बातें जानते थे ,फिर भी वह गोपियों से तर्क- वितर्क में कैसे पिछड़ गए ?आपके अनुसार क्या एक अनपढ़ व्यक्ति पढ़े लिखे व्यक्ति को तर्क -वितर्क में हरा सकता है ?

उत्तर.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा-दसवीं)

नाम : .....अनुक्रमांक ..... **दिनांक .....**

<u>तुलसीदास</u>

पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

नाथ संभु धनु भंजनिहारा । होइहि केउ एक दास तुम्हारा ।।
आयसु कहा कहिअ किन मोही । सुनि रिसाई बोले मुनि कोही ।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई । अरि करनी करि करिअ लराई ।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा । न त मारे जैहंहि सब राजा ।।
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने । बोले परसु धरहिं अवमाने ।।
बहु धनुहीं तोरी लरिकाई । कबहूँ न असि रिस कीन्हि गोसांई ।।
एहि धनु पर ममता केहि हेतु । सुनि रिसाई कह भृगुकुलकेतू ।।
रे नृपबालक कालबस, बोलत तोहि न संभार ।
धनुहीं सम त्रिपुरारि धनु, बिदित सकल संसार ।।

1-पद की भाषा और छंद के नाम लिखिए ।

उत्तर.....

.....

2-राम, लक्ष्मण और परशुराम के वचनों में कैसे मनोभाव है?

उत्तर.....

.....

3-सेवक का क्या गुण होता है? क्या परशुराम के अनुसार राम सच्चे सेवक थे?

उत्तर.....

.....

4-काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार लिखिए ।

उत्तर.....

.....

5-"सेवक सो जो करे सेवकाई" का आशय स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा-दसवीं)

नाम : .....अनुक्रमांक ..... **दिनांक .....**

<u>तुलसीदास</u>

पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

लखन कहा हंसि हमरे जाना । सुनहु देव सब धनुष समाना ।।
का छति लाभु जून धनु तोरे । देखा राम नयन के भांेरे ।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।।
बोले चितै परसु की ओरा । रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।
बालकु बोलि बधै नहिं तोही । केवल मुनि जड़ जानहि मोही ।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही । बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही ।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही । बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही ।
सहसबाहु भुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा ।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर ।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर ।।

प्रश्न 1. कवि व कविता का नाम लिखिए ।

उत्तर.....

.....

प्रश्न 2. लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के क्या क्या तर्क दिए?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 3. काव्यांश में परशुराम ने अपने विषय में क्या-क्या कहा?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 4. परशुराम ने लक्ष्मण को धमकाते हुए क्या कहा?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 5. काव्यांश में प्रयुक्त अलंकार लिखिए ।

उत्तर.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा-दसवीं)

नाम : .....अनुक्रमांक ..... दिनांक .....

<u>तुलसीदास</u>

पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी । अहो मुनीसु महाभट मानी ।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू । चहत उड़ावन फूँक पहारू ।
इहा कुम्हड़बतिया कोऊ नाहीं । जे तरजनी देखि मरि जाहीं ।
देखि कुठारू सरासन बाना । मैं कुछ कहा सहित अभिमाना ।
भृगु सुत समुझि जनेऊ बिलोकी । जो कछु कहहु सहाँ रिस रोकी ।
सुर महिसुर हरिजन अरू गाई । हमारे कुल इन्ह पर न सुराई ।
बधें पापु अपकीरति हारें । मारतहूं पा परिअ तुम्हारे ।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा । व्यर्थ धरहु धनु बाना कुठारा ।
जो विलोकि अनुचित कहेऊँ छमहु महामुनि धीर ।
सुनि सरोश भृगुबंसमनि बोले गिरा गंभीर ।।

1 "कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं" कहकर लक्ष्मण क्या करना चाहते हैं?

उत्तर.....

.....

2 'पुनि-पुनि' में कौन सा अलंकार है?

उत्तर.....

.....

3 लक्ष्मण से मुनि से कठोर वचन क्या सोच कर कहे थे?

उत्तर.....

.....

4-पठित कविता के आधार पर तुलसीदास की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर.....

.....

5 कवि व कविता का नाम लिखिए ।

उत्तर.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा-दसवीं)

नाम : .....अनुक्रमांक ..... दिनांक .....

तुलसीदास

पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

कहेउ लखन मुनि सीलु तुम्हारा । को नहि जान विदित संसारा ।
माता पितहि उरिन भये नीके । गुररिनु रहा सोचु बड़ जी के ।।
सो जनु हमरेहि माथे काढ़ा । दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा ।
अब आनिअ व्यवहरिआ बोली । तुरत देउँ मैं थैली खोली।
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा । हाय हाय सब सभा पुकारा ।।
भृगुबर परसु देखाबहु मोही । बिप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही ।
मिले न कबहूं सुभट रन गाढ़े । द्विजदेवता घरहि के बाढ़े ।।
अनुचित कहि सबु लोगु पुकारे । रघुपति सयनहि लखनु नेवारे ।।
लखन उतर आहुति सरिस भृगुबर कोपु कृसानु ।
बढ़त देखि जल सम बचन बोले रघुकुलभानु ।

1 लक्ष्मण जी ने परशुराम जी की प्रशंसा करते हुए क्या व्यंग्य किया?

उत्तर.....

.....

2 लक्ष्मण के अनुसार परशुराम माता-पिता के ऋण से कैसे मुक्त हुए?

उत्तर.....

.....

3. लक्ष्मण किस ऋण की और किस ब्याज की बात कर रहे थे?

उत्तर.....

.....

4. लक्ष्मण की कटु बातें सुन कर परशुराम ने क्या प्रतिक्रिया की?

उत्तर.....

.....

5. परशुराम को फरसा संभालते देखकर सभा और लक्ष्मण की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा-दसवीं)

नाम : .....अनुक्रमांक ..... दिनांक .....

<u>तुलसीदास</u>

प्रश्न 1-परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए?

उत्तर.....

.....

.....

.....

प्रश्न 2. इस पाठ के आधार पर परशुराम के स्वभाव की विशेषताएं लिखिए ।

उत्तर.....

.....

.....

.....

प्रश्न 3-"सेवक सो जो करे सेवकाई" का आशय स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर.....

.....

प्रश्न 4-लक्ष्मण ने वीर योद्धा की कौन-कौन सी विशेषताओं का उल्लेख किया है?

उत्तर.....

.....

.....

.....

प्रश्न 5 किस कारण लक्ष्मण क्रोध को रोककर परशुराम के वचनों को सहन कर रहे थे?

उत्तर.....

.....

.....

.....

प्रश्न 6 लक्ष्मण की बढ़ती हुई उच्छंखृलता पर अब तक मौन रहे राम ने अंत में लक्ष्मण को क्यों रोक लिया?

उत्तर.....

.....

.....

.....

अट नहीं रही है (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

कार्य-प्रपत्र

नाम - ..... अनुक्रमांक - .....

कक्षा एवं अनुभाग - ..... दिनांक - .....

निम्नलिखित पदयांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

अट नहीं रही है,
आभा फागुन की तन
सट नहीं रही है।
कहीं साँस लेते हो
घर-घर भर देते हो,
उड़ने को नभ में तुम
पर पर कर देते हो
आँख हटाता हूँ तो
हट नहीं रही है।
पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी, कहीं लाल
कहीं पड़ी है
मंद-गंध -पुष्प-माल,
पाट- पाट शोभा-श्री
पट नहीं रही है।

1. कवि तथा कविता का नाम लिखिए। ----------

2-कविता में किस ऋतु का वर्णन है?

3-फागुन में साँस लेने से क्या तात्पर्य है?

4-कवि की आँख फागुन की सुंदरता से हट क्यों नहीं रही है?

5-'पर-पर कर कर देते हो' पंक्ति का भाव क्या है?

6-कविता में कौन सा रस है?.....

7-कविता से मानवीकरण अलंकार छांटिए -

8-उर में पुष्प माल पड़ने का क्या अर्थ है?

अट नहीं रही है (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

कार्य-प्रपत्र

नाम - ..... अनुक्रमांक - .....

कक्षा एवं अनुभाग - .....दिनांक - .....

1-फागुन में प्रकृति में क्या परिवर्तन दिखाई पड़ते हैं?

उत्तर.....

.....

.....

2-कवि प्राकृतिक सौन्दर्य को निहारते रहने में स्वयं को विवश क्यों पता है?

उत्तर.....

.....

.....

3-कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?

उत्तर.....

.....

.....

4-कविता की भाषा शैली की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर.....

.....

.....

5-कविता किस काल से संबन्धित है?

उत्तर.....

.....

.....

6-कवि ने प्रकृति का बड़े सुंदर ढंग से मानवीकरण किया है। कैसे?

उत्तर.....

.....

.....

7- फागुन की आभा का प्रभाव कहाँ-कहाँ दिखाई देता है?

उत्तर.....

.....

.....

उत्साह (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

कार्य प्रपत्र -1

नाम - ..... अनुक्रमांक - .....

कक्षा एवं अनुभाग - दसवीं ..... दिनांक - .....

निम्नलिखित पदयांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

बादल गरजो! -
घेर घेर घोर गगन, धराधार ओ !
ललित ललित , काले घुँघराले
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत -छवि उर में, कवि नव जीवन वाले
वज्र छिपा , नूतन कविता
फिर भर दो-
बादल, गरजो!

प्रश्न-

1. **कवि और कविता का नाम लिखिए।----------**
2. **कवि बादल से समस्त आकाश को घेर लेने के लिए क्यों कहता है?**

   .....

   .....
3. **कवि ने बादल को बाल कल्पना सा क्यों कहा है?**

   .....

   .....
4. **कवि बादल को क्रांति का दूत क्यों मानता है?**

   .....

   .....
5. **कवि ने बादलों को नवजीवन वाले क्यों कहा है?**

   .....

   .....
6. **'वज्र छिपा उर में' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।**

   .....

   .....

   .....
7. **कवि बादल को गरजने के लिए क्यों कहता है?**

   .....
8. **घेर घेर घोर गगन में कौन सा अलंकार है?**

   .....
9. **कविता की किन पंक्तियों में उपमा अलंकार है?**

   .....

उत्साह (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

कार्य प्रपत्र -2

नाम - ..... अनुक्रमांक - .....

कक्षा एवं अनुभाग - दसवीं ..... दिनांक - .....

निम्नलिखित पदयांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

विकल विकल , उन्मन थे उन्मन
विश्व के निदाघ के सकल जन
आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन!
तप्त धरा जल से फिर
शीतल कर दो-
बादल, गरजो!

1 बादल कहाँ से आए हैं?

.....

2 तप्त धरा से क्या आशय है?

.....

.....

3 विकल और उन्मन कौन था?

.....

.....

4 बादलों को 'अनंत के घन' क्यों कहा गया है?

.....

.....

5 कवि बादल से क्या आह्वान करता है?

.....

.....

6 पदयांश में बादल को किस रूप में चित्रित किया गया है?

.....

7 इस कविता का मुख्य स्वर क्या है?

.....

8 बादल के चार पर्यायवाची लिखिए।

.....

9 'निदाघ' शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

.....

10 कविता की भाषा कौन सी है?----------

उत्साह (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

अभ्यास-पत्र

1-कवि बादल से फुहार, रिमझिम, या बरसने के लिए क्यों नहीं कह रहा है?

उत्तर.....

.....

.....

2-कविता का शीर्षक 'उत्साह' क्यों रखा गया है?

उत्तर.....

.....

.....

3-कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत कर रहा है?

उत्तर.....

.....

.....

4-इस कविता में कवि की लोक मंगल की भावना मुखरित हुई है। कैसे?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य पत्रक - कक्षा) दसवीं(

नाम :- **.....** **-: दिनांक ..... .-: अनुक्रमांक.....**

फसल

कविता के अंश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

एक के नहीं ,
दो के नहीं,
ढेर सारी नदियों के पानी का जादू:
एक के नहीं ,
दो के नहीं ,
लाख-लाख कोटि: कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमा-
एक के नहीं ,
दो के नहीं,
हज़ार -हज़ार खेतों की मिट्टी का गुण धर्म :
फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरीसंदली मिट्टी का गुण धर्म है-काली-
रूपान्तरण है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का|

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिये -

किन तत्वों के योगदान से फसल की उत्पत्ति कवि ने बताई है -किन 1?

ल किसका गुणधर्म लेती हैफस 2?

कोटि हा-फसल कोटि 3थों के स्पर्श की गरिमा कैसे है?

कवि ने फसल को जादू क्यों कहा है 4?

5‘ एक के नहीं , दो के नहीं’ से क्या आशय है?

कार्य पत्रक

नाम :- .....अनुक्रमांक ..... -: दिनांक ..... .-:

यह दंतुरित मुसकान

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि -धूसर तुम्हारे ये गात...
छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात
पारस पाकर तुम्हारा ही प्राण ,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल ?

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिये-

यहाँ कौन और किसकी मु 1सकान के विषय में बात कर रहा हैं?

.....

मुसकान को दंतुरित क्यों कहा गया हैं 2?

.....

3‘ छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात ‘- यहाँ जलजात किसे कहा गया हैं तथा क्यों?

.....

पद 4्यांश की भाषा कौन सी है?

.....

पद 5्यांश में कौन सा रस आया हैं?

.....

6 पद्यांश में आए अलंकार छाँटिए |

.....

.....

कवि के मन 7में उभरे भावों का क्या कारण है?

.....

.....

बाँस और बबूल से शेफालिका के फूल झरने का क्या भाव हैं 8?

.....

.....

पाषाण का पिघलना और जल बनने से क्या तात्पर्य है 9?

.....

क्या बदलाव महसूस किया-बालक का स्पर्श पाकर कवि ने प्रकृति में क्या 10?

.....

.....

कार्य पत्रक - कक्षा) दसवीं(

नाम :- ..... **-: दिनांक** ..... **.-: अनुक्रमांक**.....

फसल/यह दंतुरित मुस्कान

1 'यह दंतुरित मुसकान ' पाठ में कवि ने मुसकान की क्या - क्या विशेषताएँ बताई हैं?

उत्तर.....

.....

- फसल किस 2 किस के योगदान का परिणाम हैं?

उत्तर.....

.....

कविता किस प्रकार भारत की कृषि संस्कृति का महत्त्व हमारे समक्ष रखती 3 है?

उत्तर.....

.....

4'यह दंतुरित मुसकान' कविता में कवि स्वयं को अतिथि क्यों कह रहा है?

उत्तर.....

.....

5'यह दंतुरित मुसकान' कविता में कवि बालक की माँ को धन्य कहकर किस भावना को व्यक्त कर रहा है?पुरुष प्रधान समाज में इस प्रकार की सोच किस प्रकार लाभकारी है?

उत्तर.....

.....

फसल कविता का संदेश संक्षेप में लिखिए 6|

उत्तर.....

.....

नए व्यक्ति को देखकर शिशु के मन में क्या क्या भाव उत्पन्न होते होंगे 7? कल्पना के आधार पीआर लिखिए |

उत्तर.....

.....

अभ्यास-पत्र

कक्षा-10

छाया मत छूना मन

निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए:-

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया है

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया है

प्रभुता का शरण बिम्ब केवल मृगतृष्णा है

हर चंद्रिका में छिपी रात एक कृष्णा है

जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन

छाया मत छूना । मन होगा दुःख दूना।।

प्रश्न1- मृगतृष्णा का क्या अर्थ है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न2- यथार्थ के पूजन का क्या अर्थ है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न3- 'चंद्रिका में छिपी रात कृष्णा है' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न.4 कवि एवं कविता का नाम बताओ |

उत्तर.....

प्रश्न.5 पद की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

उत्तर.....

.....

अभ्यास-पत्र

कक्षा-10

छाया मत छूना मन

निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए:-

दुविधा हत साहस है दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नही ।

दुख है न खिला चांद शरद रात आने पर

क्या हुआ जो खिला फूल रस बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण

छाया मत छूना । मन होगा दुखी दूना ।

प्रश्न1- पद की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

उत्तर.....

.....

प्रश्न2- कवि ने साहस को दुविधा हत क्यों कहा है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न3- कवि ने पद में क्या संदेश दिया है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 4 कवि ने यश, वैभव, मान आदि को किसके समान बताया है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न.5 कवि एवं कविता का नाम बताओ.

उत्तर.....

.....

अभ्यास-पत्र

कक्षा-10

छाया मत छूना मन

प्रश्न उत्तर-

प्रश्न 1- कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 2- कवि ने यश, वैभव, मान आदि को किसके समान बताया है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 3- कवि ने छाया छूने के लिए मना क्यों किया है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 4- "देह सुखी हो पर मन के दुःख का अंत नही" का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर.....

.....

प्रश्न 5- कवि क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 6- 'छाया' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है कवि ने उसे छूने के लिए क्यों मना किया है ।

उत्तर.....

.....

प्रश्न 7- कविता में व्यक्त दुख के कारण है?

उत्तर.....

.....

अभ्यास-पत्र

कक्षा-10

कन्यादान - ऋतुराज

काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए हैं
जलने के लिए नहीं
वस्त्रा और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंध्न है स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

प्रश्न 1. लड़की होने से क्या आशय है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 2. माँ ने यह क्यों कहा कि फ्आग रोटियाँ सेंकने के लिए हैं जलने के लिए नहीं?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 3. लड़की जैसी दिखाई मत देना का क्या आशय है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 4. पद की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर.....

.....

प्रश्न.5 कवि एवं कविता का नाम बताओ.

उत्तर.....

.....

अभ्यास-पत्र

कक्षा-10

कन्यादान - ऋतुराज

कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पक्तियों की।

प्रश्न 1. 'लड़की अभी सयानी नहीं थी' -से क्या तात्पर्य है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 2. 'लड़की को दुख बाँचना नहीं आता था' इसका क्या तात्पर्य है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 3-'पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की'- से कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 4. कन्यादान देते वक्त माँ के दुःख को प्रामाणिक क्यों कहा गया है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 5. 'कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पक्तियों की' - आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर.....

.....

अभ्यास-पत्र

कक्षा-10

कन्यादान - ऋतुराज

लघूत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 2. माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना?

उत्तर.....

.....

.....

.....

प्रश्न 3. 'कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पक्तियों की' - आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 4. कन्यादान देते वक्त माँ के दुःख को प्रामाणिक क्यों कहा गया है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 5. वैवाहिक जीवन की त्रासदी क्या है? नव-विवाहिता को ऐसा कब लगने लगता है कि वैवाहिक जीवन मर्यादाओं का बंधन मात्र है?

उत्तर.....

.....

.....

.....

अभ्यास-पत्र

कक्षा-10

संगतकार - मंगलेश डबराल

काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था

प्रश्न 1. पद में 'अनहद' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर.....

.....

प्रश्न 2. अंतरे की तानों को जंगल क्यों कहा गया है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 3. 'स्थायी' का क्या अर्थ होता है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 4. संगतकार क्या कार्य करता है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न.5 कवि एवं कविता का नाम लिखो.

उत्तर.....

.....

अभ्यास-पत्र

कक्षा-10

संगतकार - मंगलेश डबराल

काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि पिफर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

प्रश्न 1. संगतकार की अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की कोशिश को उसकी मनुष्यता क्यों समझा जाना चाहिए?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 2. संगतकार मुख्य गायक का साथ क्यों देता है?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 3. पद की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर.....

.....

प्रश्न 4. 'संगतकार' कविता के आधर पर स्पष्ट कीजिए कि संगतकार जैसे व्यक्ति सर्वगुणसम्पन्न होकर भी समाज में अग्रिम न आकर प्रायः पीछे ही क्यों रहते हैं?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 5. संगतकार की आवाज में एक हिचक क्यों सुनाई देती है?

उत्तर.....

.....

अभ्यास-पत्र

कक्षा-10

संगतकार - मंगलेश डबराल

प्रश्न 1. संगतकार के माध्यम से कवि किन प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 2. संगतकार की आवाज में एक हिचक क्यों सुनाई देती है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 3. सफलता के चरम-शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाता है, तब उसे सहयोगी किस तरह संभालते हैं?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 4. 'संगतकार' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि संगतकार जैसे व्यक्ति सर्वगुणसम्पन्न होकर भी समाज में अग्रिम न आकर प्रायः पीछे ही क्यों रहते हैं?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 5. 'संगतकार' कविता में कवि क्या सन्देश देना चाहते हैं?

उत्तर.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा दसवीं)

नाम :- .....अनुक्रमांक ..... दिनांक.....

नेताजी का चश्मा

गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

नेताजी सुंदर लग रहे थे | कुछ कुछ मासूम और कमसिन | फ़ौजी वर्दी में | मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो 'और तुम 'मुझे खून दो' वगैरह याद आने लगते थे |इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था | केवल एक चीज़ की कसर थी जो खटखती थी| नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था| यानी चश्मा तो था,लेकिन संगमरमर का नहीं था| एक सामान्य और सचमुच के चश्मे की चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था |हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुस्कान फैल गई | वाह भई ! यह आइडिया भी ठीक है | मूर्ति पत्थर की , लेकिन चश्मा रियल!

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बर्रे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कुल मिलकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहानीय ही कहा जाना चाहिए| महत्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं , उस भावना का है वरना देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है |

1 हालदार साहब किसकी मूर्ति के बारे में सोच रहे थे?

.....

2 'दिल्ली चलो ' और तुम मुझे खून दो नारे किसने और कब दिए ?

.....

.....

3 हालदार साहब को मूर्ति के बारे में क्या विचित्र लगता था ?

.....

.....

4 हालदार साहब को कस्बे के नागरिकों का प्रयास सराहनीय क्यों लगा?

.....

.....

5 हालदार साहब को कौन सा आइडिया बहुत अच्छा लगा ?

.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा दसवीं)

नाम :- .....अनुक्रमांक ..... दिनांक.....

नेताजी का चश्मा

गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

बार -बार सोचते, क्या होगा उस क़ौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िंदगी सब कुछ होम देनेवालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है | दुखी हो गए | पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुज़रे |कस्बे में घुसने से पहले ही ख्याल आया कि कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी,लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा |.....क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया|.....और कैप्टन मर गया | सोचा,आज वहाँ रुकेंगे नहीं ,पान भी नहीं खाएँगे ,मूर्ति की तरफ़ देखेंगे भी नहीं,सीधे निकल जाएँगे|

ड्राईवर से कह दिया,चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे |

लेकिन आदत से मजबूर आंखे चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ़ उठ गईं |कुछ ऐसा देखा कि चीखे ,रोको ! जीप स्पीड में थी, ड्राईवर ने ज़ोर से ब्रेक मारे | रास्ता चलते लोग देखने लगे | जीप रुकते-न-रुकते हालदार साहब जीप दे कूदकर तेज़-तेज़ कदमों से मूर्ति ली तरफ़ लपके और उसके ठीक सामने जाकर अटेंशन में खड़े हो गए |

मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं | हालदार साहब भावुक हैं| इतनी- सी बात पर उनकी आँखें भर आईं|

1 हालदार साहब बार-बार क्या सोचते?

.....

.....

2 कस्बे में घुसने से पहले हालदार साहब को क्या ख़याल आया ?

.....

.....

.....

3 हालदार साहब कौन सी आदत से मजबूर थे ?

.....

.....

.....

4 “क्या होगा उस क़ौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी- जवानी-ज़िंदगी सब कुछ होम देनेवालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है|”वास्तविक ज़िंदगी में आपने ऐसा कहाँ घटित होते हुए देखा है उदाहरण सहित लिखें ?

.....

.....

.....

.....

5 हालदार साहब को क्यों लगा कि सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा ?

.....

.....

-6 सुभाष की आँखों पर चश्मा न होना हालदार साहब के लिए इतनी बड़ी बात क्यों थी ?

.....

.....

7 हालदार साहब को मूर्ति की तरफ़ देखने का मन क्यों नहीं कर रहा था ?

.....

.....

8 हालदार साहब की गाड़ी को रोकने के लिए ड्राईवर को ज़ोर से ब्रेक क्यों मारने पड़े?

.....

.....

9 हालदार साहब भावुक क्यों हो गए ?

.....

.....

.....

10 मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा- सा चश्मा लगा होना क्या वास्तव में इतनी सी ही बात थी ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा दसवीं)

नाम :- .....अनुक्रमांक ..... दिनांक.....

नेताजी का चश्मा

1 नगरपालिका के क्या-क्या कार्य होते हैं ?पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है कि नगरपालिका थी तो कुछ -न-कुछ करती भी रहती थी ?

उत्तर.....

.....

.....

2 सड़कों अथवा चौराहों पर नेताओं की लगी उपेक्षित मूर्तियों को देखकर आप क्या सोचते हैं ?

उत्तर.....

.....

.....

3 कस्बे के इकलौते ड्राइंग मास्टर को नेताजी की मूर्ति बनाने का कार्य क्यों सौंपा गया,यह हमारी सरकारी व्यवस्था की किस कमी को दर्शाता है?

उत्तर.....

.....

.....

4 मूर्ति को देखकर हालदार साहब के चेहरे पर कौतुकभरी मुस्कान क्यों फैल गई ?

उत्तर.....

.....

.....

5 हालदार साहब के लिए कौन सा कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा ?

उत्तर.....

.....

.....

6 हालदार साहब को ऐसा क्यों लगा कि कैप्टन चश्मेवाला किसी सेना का सिपाही रहा होगा ?पाठ पढ़कर क्या आपके मन में भी कैप्टन की ऐसे ही छवि उभरी ?

उत्तर.....

.....

.....

7 “कैप्टन मर गया” खबर सुनकर हालदार साहब की मानसिक स्थिति कैसी हो गई ?

उत्तर.....

.....

.....

8 आपके विचार से पानवाले ने “कैप्टन” की देशभक्ति का मज़ाक क्यों उड़ाया ?

उत्तर.....

.....

.....

9 मूर्ति की आँखों पर लगा सरकंडे का छोटा सा चश्मा क्या दर्शाता है ?

उत्तर.....

.....

.....

10 गिराक एवं किदर शब्द का मानक हिन्दी रूप लिखते हुए बताइए कि लेखक ने इस तरह के शब्द प्रयोग क्यों किए ?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा दसवीं)

नाम :- .....अनुक्रमांक ..... दिनांक.....

बालगोबिन भगत

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिये |

आषाढ़ की रिमझिम है| समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है | कहीं हल चल रहे हैं; कही रोपनी हो रही है | धान के पानी भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं| औरतें कलेवा लेकर मेड़ पर बैठी हैं |

आसमान बादलों से घिरा ;धूप का नाम नहीं | ठंडी पुरवाई चल रही | ऐसे ही समय आपके कानों में एक सवर-तरंग झंकार - सी कर उठी | यह क्या है-यह कौन है ! यह पूछना न पड़ेगा | बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े , अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं| उनकी अँगुली एक - एक धान के पौधे को,पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही है | उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर , स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर ! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती है; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते है; रोपनी करने वालों की अंगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं| बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू !

1 शब्दों के अर्थ लिखिए |

हलवाहा - ---------- पुरवाई - ----------

रोपना - ---------- मेड़ - ----------

2 गद्यांश में किस ऋतु और माह का वर्णन हैं?

उत्तर.....

.....

3 खेतों में क्या हो रहा था ?

उत्तर.....

.....

4 बालगोबिन क्या कर रहे थे?

उत्तर.....

.....

5 सीधे- सादे पदों के सजीव होने से भगत की किस विशेषता का पता चलता है ?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा दसवीं)

नाम :- .....अनुक्रमांक ..... दिनांक.....

बालगोबिन भगत

गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिये |

बेटे के क्रिया - कर्म में तूल नहीं किया ; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी | किन्तु ज्यों श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना | इधर पतोहू रो -रोकर कहती -मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा , बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग न कीजिये! लेकिन भगत का निर्णय अटल था | तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा - यह थी उनकी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती ?

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिये|

1 भगत ने पुत्र को मुखाग्नि किससे दिलवाई?

उत्तर.....

.....

.....

2 भगत ने पुत्र की मृत्यु के बाद पतोहू को क्या आदेश दिया ?

उत्तर.....

.....

.....

3 गद्यांश में नारी की दशा सुधारने के लिए क्या संदेश दिया गया हैं?

उत्तर.....

.....

.....

4 गद्यांश में आए मुहावरे को ढूँढकर उसका वाक्य प्रयोग कीजिए|

उत्तर.....

.....

5 भगत की पुत्रवधू अपने भाई के साथ क्यों नहीं जाना जाती थी ?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य पत्रक (कक्षा दसवीं)

नाम :- .....अनुक्रमांक ..... दिनांक.....

बालगोबिन भगत

1 बालगोबिन भगत की दिनचर्या अचरज का कारण क्यों थी?

उत्तर.....

.....

.....

2 भगत मौत को शोक का कारण क्यों नहीं मानते थे?

उत्तर.....

.....

.....

3 सच्चे साधु की क्या पहचान होती हैं?

उत्तर.....

.....

.....

4 भगत की कथनी और करनी में एकरूपता को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर.....

.....

.....

5 'संन्यास का आधार वेषभूषा नहीं जीवन के मानवीय सरोकार होते हैं | 'कथन का आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर.....

.....

.....

6 पाठ के आधार बालगोबिन की कर्मनिष्ठता को प्रमाणित कीजिए |

उत्तर.....

.....

.....

7 ऐसा क्यों कहा गया कि भगत की मृत्यु उनके अनुरूप हुई?

उत्तर.....

.....

.....

8 आपके विचार में क्या भगत परिस्थितियों से लड़ना जानते थे ? तर्क सहित उत्तर दीजिये |

उत्तर.....

.....

.....

10 'भगत स्वाभिमानी थे'| अपने विचार प्रकट कीजिए |

उत्तर.....

.....

.....

9 पाठ में ग्राम्य जीवन की जो छवि उभरी हैं, उसे आधार बनाकर ग्राम्य जीवन पर एक लेख लिखिए |

उत्तर.....

.....

.....

11 पाठ के आधार पर बालगोबिन का चरित्र चित्रण कीजिए |

उत्तर.....

.....

.....

`

लखनवी अंदाज़(यशपाल)

कार्य प्रपत्र -1

नाम - .....अनुक्रमांक - .....कक्षा एवं अनुभाग - ..... दिनांक - .....

निम्नलिखित गदयांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

मुफ़स्सिल की पसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं।दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नई कहानी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया।

गाड़ी छूट रही थी।सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, ज़रा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताज़े-चिकने खीरे तौलिये पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हो या खीरे जैसी अपदार्थ वस्तु का शोक करते देखे जाने के संकोच में हों।

1-लेखक ने क्या सोचकर सेकंड क्लास का टिकट लिया?

उत्तर.....

.....

.....

2- **कौन से दृश्य खिड़की से लेखक देखना चाहते थे?**

उत्तर.....

.....

.....

3- मुफ़स्सिल शब्द का अर्थ क्या है?

उत्तर.....

.....

.....

4-ट्रेन की फूँकार से क्या पता चल रहा था?

उत्तर.....

.....

.....

5-डिब्बे में चढ़ने से पहले लेखक के मन क्या विचार थे?

उत्तर.....

.....

.....

6-डिब्बे में सहसा कूद जाने पर सज्जन को कैसा लगा?

उत्तर.....

.....

.....

7-सहसा कूद जाने का तात्पर्य क्या है?

उत्तर.....

.....

.....

8-'निर्जन' शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए।

उत्तर.....

.....

.....

9-सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक क्यों लगते हैं?

उत्तर.....

.....

.....

10-एकांत चिंतन में विघ्न से क्या तात्पर्य है?

उत्तर.....

.....

.....

लखनवी अंदाज़(यशपाल)

कार्य प्रपत्र -1

नाम - .....अनुक्रमांक - .....कक्षा एवं अनुभाग - ..... दिनांक - .....

निम्नलिखित गदयांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

नमक-मिर्च छिड़क दिये जाने से ताज़े खीरे की पनियाती फाँकें देखकर पानी मुँह में ज़रूर आ रहा था, लेकिन इंकार कर चुके थे। आत्मसम्मान निबाहना ही उचित समझा, उत्तर दिया 'शुक्रिया', 'इस वक्त तलब महसूस नहीं हो रही, मेदा भी ज़रा कमजोर है क़िबला शौक फ़रमाएँ।'

नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक- मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा। खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ निश्वास लिया। खीरे की एक फाँक उठाकर होठों तक ले गए। फाँक को सूँघा। स्वाद के आनंद में पलकें मुंद गईं। मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया। तब नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के पास ले जाकर वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए।

1-'मुँह में पानी आ जाना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।

उत्तर.....

.....

.....

2-नमक-मिर्च छिड़क दिये जाने से खीरे की फाँकें कैसी दिख रही थीं?

उत्तर.....

.....

.....

3-खीरा खाने से लेखक क्यों इंकार कर चुके थे?

उत्तर.....

.....

.....

4- 'तलब' शब्द का अर्थ लिखिए।

उत्तर.....

.....

.....

5-नवाब साहब ने खीरे की फाँकों का स्वाद कैसे लिया?

उत्तर.....

.....

.....

6-नवाब साहब ने खीरे की फाँकों का क्या किया?

उत्तर.....

.....

.....

7-नवाब साहब के मुँह में पानी क्यों भर आया?

उत्तर.....

.....

.....

8- 'आत्मसम्मान निभाने' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर.....

.....

.....

9-नवाब साहब की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए?

उत्तर.....

.....

.....

10-'मेदा' शब्द का अर्थ लिखिए।

उत्तर.....

.....

.....

कार्य प्रपत्र -1

नाम - .....अनुक्रमांक - .....कक्षा एवं अनुभाग - ..... दिनांक - .....

1-प्रस्तुत पाठ का कोई अन्य शीर्षक दीजिए।

उत्तर.....

.....

.....

2-लखनवी अंदाज़ पाठ में खीरे के संबंध में नवाब साहब का व्यवहार उनकी कैसी सोच को दर्शाता है?

उत्तर.....

.....

.....

3-लेखक ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों लिया?

उत्तर.....

.....

.....

4-नवाब की जीवन शैली देखकर लेखक के मन में कौन सा प्रश्न उठा?

उत्तर.....

.....

.....

5-नवाब साहब ने खीरे को क्यों नहीं खाया?

उत्तर.....

.....

.....

6-लखनवी अंदाज़ पाठ के द्वारा क्या संदेश दिया गया है?

उत्तर.....

.....

.....

7-लेखक और नवाब साहब में से आपको किस का व्यवहार अच्छा लगा?

उत्तर.....

.....

.....

8-यदि आप नवाब साहब की जगह होते तो खीरे का क्या करते?

उत्तर.....

.....

.....

9-नबाब साहब किस कारण गर्व महसूस कर रहे थे?

उत्तर.....

.....

.....

10-निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

एहतियात- .....

किफ़ायत .....

मुफ़स्सिल .....

तहज़ीब .....

एब्स्ट्रैक्ट .....

मानवीय करुणा की दिव्य चमक (सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

फ़ादर कामिल बुल्के

कार्य प्रपत्र

लखनवी अंदाज़(यशपाल)

कार्य प्रपत्र -1

नाम - .....अनुक्रमांक - .....कक्षा एवं अनुभाग - .....दिनांक - .....

निम्नलिखित गदयांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

फ़ादर बुल्के संकल्प के संन्यासी थे। कभी कभी लगता है, कि वे मन से संन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते जरूर मिलते -खोजकर , समय निकालकर , गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन संन्यासी करता है? उनकी चिंता हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ़ ब्यान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुँझलाते देखा है और हिन्दी वालों द्वारा ही हिन्दी की उपेक्षा पर दुख करते उन्हें पाया है। घर परिवार के बारे में , निजी दुख तकलीफ के बारे में पूछना उनका स्वभाव था और बड़े से बड़े दुख में उनके मुख से सांत्वना के जादू भरे दो शब्द सुनना एक ऐसी रोशनी से भर देता था, जो किसी गहरी तपस्या से जनमती है। 'हर मौत दिखाती है जीवन को नई राह।' मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है और फ़ादर के शब्दों से झरती विरल शांति भी।

1-फ़ादर बुल्के कैसे संन्यासी थे?

.....

.....

2-फ़ादर बुल्के के रिश्ते बनाने की क्या विशेषता थी?

.....

.....

3-किस प्रश्न पर वे अक्सर झुँझला जाते थे?

.....

.....

4-फ़ादर बुल्के हिन्दी को किस रूप में देखना चाहते थे?

.....

.....

.....

5-फ़ादर बुल्के ने अपनी किन विशेषताओं से परंपरागत ढंग के संन्यासी से अलग छवि प्रस्तुत की?

.....

.....

.....

6-'संकल्प के संन्यासी' का क्या अर्थ है?

.....

.....

.....

7-'हर मौत दिखाती है जीवन को नई राह।' इस पंक्ति से फ़ादर बुल्के की किस चारित्रिक विशेषता का पता चलता है?

.....

.....

.....

8-लेखक तथा फ़ादर बुल्के की घनिष्ठता का परिचय कैसे मिलता है?

.....

.....

.....

9-हिन्दी के प्रति फ़ादर के हृदयगत प्रेम को किस प्रकार देखा जा सकता है?

.....

.....

.....

मानवीय करुणा की दिव्य चमक (सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

फ़ादर कामिल बुल्के

कार्य प्रपत्र

लखनवी अंदाज़(यशपाल)

कार्य प्रपत्र

नाम - .....अनुक्रमांक - .....कक्षा एवं अनुभाग - .....दिनांक - .....

निम्नलिखित गदयांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है। उनको देखना करुणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था। मुझे 'परिमल' के वे दिन याद आते हैं जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बंधे जैसे थे जिसके बड़े फ़ादर बुल्के थे। हमारे हँसी-मज़ाक में वह निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस कराते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते। मुझे अपना और फ़ादर का उसके मुख में पहली बार अन्न डालना याद आ रहा है और नीली आँखों में तैरता वात्सल्य भी-जैसे किसी ऊंचाई पर देवदारु की छाया में खड़े हों।

1-फ़ादर किसे कहा गया है?

.....

.....

2-'परिमल' किसका नाम है?

.....

.....

3-'करुणा के निर्मल जल में स्नान करना' का क्या आशय है?

.....

.....

.....

4-फ़ादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी?

.....

.....

.....

5-फ़ादर को याद करना उदास शांत संगीत को सुनने जैसा क्यों है?

.....

.....

.....

6-फ़ादर के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ बताइए।

.....

.....

.....

7-साहित्यिक गोष्ठियों में विभिन्न रचनाओं पर उनकी क्या प्रतिक्रिया होती?

.....

.....

.....

8-फ़ादर बुल्के लेखक के घर उत्सव एवं संस्कार आदि में किस रूप में शामिल होते थे?

.....

.....

.....

9-कर्म के संकल्प से भरना' के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

मानवीय करुणा की दिव्य चमक (सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

फ़ादर कामिल बुल्के

कार्य प्रपत्र

लखनवी अंदाज़(यशपाल)

कार्य प्रपत्र

नाम - .....अनुक्रमांक - .....कक्षा एवं अनुभाग - ..... दिनांक - .....

1-फ़ादर बुल्के को अपने परिवार में सबसे अधिक लगाव किस से था?

.....

.....

.....

2-फ़ादर बुल्के की मृत्यु का क्या कारण था?

.....

.....

.....

3-फ़ादर बुल्के का भारतीय संस्कृति से गहरा लगाव था । कैसे?

.....

.....

.....

4-फ़ादर बुल्के के साहित्यिक योगदान के संदर्भ में उनके हिन्दी समर्पण पर प्रकाश डालिए।

.....

.....

.....

5-फ़ादर बुल्के ने भारत को अपनी कर्मभूमि क्यों बनाया?

.....

.....

.....

6-फ़ादर कामिल बुल्के के व्यक्तित्व का शब्दचित्र अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

.....

.....

.....

7-फ़ादर बुल्के के व्यक्तित्व से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

.....

.....

.....

8-लेखक ने फ़ादर बुल्के से जुड़ी अनेक स्मृतियों पर प्रकाश डाला है । कौन सी स्मृति आपको सबसे अधिक मार्मिक लगी और क्यों?

.....

.....

.....

9-फ़ादर बुल्के ने हिन्दी की उन्नति के लिए क्या किया?

.....

.....

.....

10-बुल्के के निधन के पश्चात लेखक को क्या महसूस हो रहा था ?

.....

.....

.....

कार्य-पत्र

एक कहानी यह भी - मन्नू भण्डारी

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिताजी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फरमाइश और जिद को अपना फर्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थी वे । उन्होंने ज़िंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं- केवल दिया ही दिया । हम भाई-बहनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी से लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका.....न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता ।

प्रश्न -

1. कैसे कहा जा सकता है कि लेखिका की माँ के अन्दर धरती से अधिक सहनशक्ति थी?

उत्तर.....

.....

2. लेखिका के लिए उनकी मां की त्याग-भावना आदर्श क्यों नहीं बन सकी?

उत्तर.....

.....

3. हम भाई-बहनों का सारा लगाव मां के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका- यह किस प्रकार का वाक्य है?

उत्तर.....

.....

कार्य-पत्र

एक कहानी यह भी - मन्नू भण्डारी

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहम्, उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थी। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी। वे जिन्होंने आंख मूंदकर सबका विश्वास करने वाले पिता के बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

प्रश्न -

1-'सिकुड़ती आर्थिक स्थिति' का आशय है -

उत्तर.....

.....

2-लेखिका के पिता के क्रोध का शिकार सर्वाधिक कौन होता था?

उत्तर.....

.....

.....

.....

3-पिता के साथ ऐसा क्या घटित हुआ कि वे अपनों पर भी शक करने लगे -

उत्तर.....

.....

.....

कार्य-पत्र

एक कहानी यह भी - मन्नू भण्डारी

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

पिता जी के जिस शक्की स्वभाव पर मैं कभी भन्ना-भन्ना जाती थी, आज एकाएक अपने खंडित विश्वासों की व्यथा के नीचे मुझ उनके शक्की स्वभाव की झलक ही दिखाई देती है.....बहुत 'अपनों' के हाथों विश्वासघात की गहरी व्यथा से उपजा शक । होश सँभालने के बाद से ही जिन पिता जी से किसी -न-किसी बात पर हमेशा मेरी टक्कर ही चलती रही, वे तो न जाने कितने रूपों में मुझमें हैं.....कहीं कुंठाओं के रूप में, कहीं प्रतिक्रिया के रूप में तो कही प्रतिच्छाया के रूप में । केवल बाहरी भिन्नता के आधार पर अपनी परंपरा और पीढ़ियों को नकारने वालों को क्या सचमुच इस बात का बिल्कुल अहसास नहीं होता कि उनका आसन्न अतीत किस कदर उनके भीतर जड़ जमाए बैठा रहता है । समय का प्रवाह भले ही हमें दूसरी दिशाओं में बहाकर ले जाए.....स्थितियों का दबाव भले ही हमारा रूप बदल दे, हमें पूरी तरह उससे मुक्त तो नहीं ही कर सकता ।

प्रश्न -

1. लेखिका के व्यवहार में पिता के किस व्यवहार की झलक दिखाई देती थी?

उत्तर.....

.....

.....

2. वह कौन सी बात है जिससे हम कभी मुक्त नहीं हो पाते?

उत्तर.....

.....

.....

3. लेखिका का टकराव अक्सर किससे होता था?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य-पत्र

एक कहानी यह भी - मन्नू भण्डारी

प्रश्न 1. लेखिका ने अपने पिता को किन गुणों के भग्नावशेषों को ढोते देखा था?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 2. वह कौन सी घटना थी जिसको सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 3. लेखिका का 'पड़ोस कल्चर' से क्या तात्पर्य है? आधुनिक जीवन में 'पड़ोस कल्चर' विच्छिन्न होने का हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 4. माँ के धैर्य और सहनशक्ति को लेखिका ने धरती से भी ज्यादा क्यों बताया है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 5. लेखिका ने यह क्यों कहा कि पिताजी कितनी तरह के अंतर्विरोधों के बीच जीते थे?

उत्तर.....

.....

प्रश्न 6. लेखिका मन्नू भंडारी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 7. लेखिका की साहित्य के प्रति रूचि जागृत होने का प्रमुख कारण क्या है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 8. भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में लेखिका का क्या सक्रिय योगदान रहा?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 9. लेखिका के पिता के क्रोधी और शक्की होने के क्या कारण थे?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 10. लेखिका के पिता उन्हें सामान्य लड़कियों से कैसे भिन्न बनाना चाहते थे?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य-पत्र

नौबत खाने में इबादत - यतींद्र मिश्र

निम्नलिखित गद्यांश में से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए -

सचमुच हैरान करती है काशी - पकड़ढा महल से जैसे मलाई बरफ गया, संगीत, साहित्य और अदब की बहुत सारी परंपराएँ लुप्त हो गई। एक सच्चे सुर साध्क और सामाजिक की शांति बिस्मिल्ला खाँ साहब को इन सबकी कमी खलती है। काशी में जिस तरह बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पूरक रहे हैं, उसी तरह मुहर्रम -ताजिया और होली-अबीर, गुलाल की गंगा-जमुनी संस्कृति भी एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। अभी जल्दी ही बहुत कुछ इतिहास बन चुका है। अभी आगे बहुत कुछ इतिहास बन जाएगा। पिफर भी कुछ बचा है जो सिप़र्फ काशी में हैं। काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है। काशी में मरण भी मंगल माना गया है। काशी आनंदकानन है। सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है जो हमेशा से दो कौमों को एक होने व आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा ।

प्रश्न -

1. गंगा-जमुनी संस्कृति का क्या आशय है?

उत्तर.....

.....

.....

2. काशी में मरण को कैसा माना गया है?

उत्तर.....

.....

.....

3. उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ को किसके समान बताया गया है?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य-पत्र

नौबत खाने में इबादत - यतींद्र मिश्र

काशी संस्कृति की पाठशाला है। शास्त्रों में आनन्दकानन के नाम से प्रतिष्ठित। काशी में कलाध्र हनुमान व नृत्य विश्वनाथ है। काशी में बिस्मिल्ला खाँ हैं। काशी में हजारों सालों का इतिहास है जिसमें पंड़ित कंठे महाराज हैं, विद्याधी हैं, बड़े रामदास जी हैं, मौजुद्दीन खाँ हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जनसमूह है। यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहजीब है, अपनी बोली और अपने विशिष्ट लोग हैं। इनके अपने उत्सव हैं, अपना सेहरा-बन्ना और अपना नौहा। आप यहाँ संगीत को भक्ति से, भक्ति को किसी भी धर्म के कलाकार से, कजरी को चैती से, विश्वनाथ को विशालाक्षी से, बिस्मिल्ला खाँ को गंगाद्वार से अलग करके नहीं देख सकते।

प्रश्न -

1.काशी किसकी पाठशाला है?

उत्तर.....

.....

.....

2.शास्त्रों में काशी किस नाम से प्रसिद्ध है?

उत्तर.....

.....

.....

3.काशी का जनसमूह कैसा है?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य-पत्र

नौबत खाने में इबादत - यतींद्र मिश्र

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे थे। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त बाली नमाज इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती थी। लाखों सजदें इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते थे। वे नमाज के बाद सज़दे में गिड़गिड़ाते थे- मेरे मालिक सुर बख्श दें। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आए।

प्रश्न -

1.शहनाई की मंगल ध्वनि के नायक कौन थे ?

उत्तर.....

.....

.....

2.पाँचों वक्त की नमाज़ किसे पाने में खर्च हो जाती थी?

उत्तर.....

.....

.....

3.बिस्मिल्ला खाँ नमाज के बाद सज़दे में गिड़गिड़ाते हुए क्या माँगते थे?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य-पत्र

नौबत खाने में इबादत - यतींद्र मिश्र

अमीरुद्दीन की उम्र अभी 14 साल है। मसलन बिस्मिल्ला खाँ की उम्र अभी 14 साल है। वही काशी है। वही पुराना बाला जी का मंदिर जहाँ बिस्मिल्ला खाँ को नौबतखाने रियाज़ के लिए जाना पड़ता है। मगर एक रास्ता है बालाजी मंदिर तक जाने का। यह रास्ता रसूलन बाई और बतूलन बाई के यहाँ से होकर जाता है। इस रास्ते से अमीरुद्दीन को जाना अच्छा लगता है। इस रास्ते न जाने कितने तरह के बोल-बनाव कभी ठुमरी, कभी टप्पे, कभी दादरा के मापर्फत ड्योढ़ी तक पहुँचते रहते हैं। रसूलन बाई और बतूलन बाई जब गाती है तब अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है। अपने ढेरों साक्षात्कारों में बिस्मिल्ला खाँ साहब ने स्वीकार किया है कि उन्हें अपने जीवन के आरंभिक दिनों में संगीत के प्रति आसत्तिफ इन्हीं गायिका बहिनों को सुनकर मिली है। एक प्रकार से उनकी अबोध् उम्र में अनुभव की स्लेट पर संगीत प्रेरणा की वर्णमाला रसूलन बाई और बतूलन बाई ने उकेरी है।

प्रश्न -

1.उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ के बचपन का क्या नाम था?

उत्तर.....

.....

.....

2.बालाजी मंदिर जाने का रास्ता किसके यहाँ से होकर गुजरता था?

उत्तर.....

.....

.....

3.रसूलन बाई एवं बतूलन बाई कौन थी?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य-पत्र

नौबत खाने में इबादत - यतींद्र मिश्र

प्रश्न 1. शहनाई और डुमराँव एक दूसरे के लिए उपयोगी कैसे है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 2. संगीत में सम का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि बिस्मिल्ला खां को सम की समझ कब और कैसे आ गई थी?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 3 काशी को संस्कृति की पाठशाला क्यों कहा गया है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 4. बिस्मिला खां दो कौमों में भाईचारे की प्रेरणा कैसे देते रहे?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 5. बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 6. काशी में सब कुछ एकाकार कैसे हो गया है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 7. शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 8. सुषिर वाद्यों से क्या अभिप्राय है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 9. शहनाई को सुषिर वाद्यों में शाह की उपाध् क्यों दी गई होगी?

उत्तर.....

.....

.....

प्र.10. बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

उत्तर.....

.....

.....

प्रश्न 11. काशी में हो रहे कौन-कौन से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?

उत्तर.....

.....

.....

कार्य पत्रक-माता का आँचल

नाम :- **……..... दसवीं -: कक्षा व वर्ग** **.....**

अनुक्रमांक ..... **-: दिनांक** **..... .-:**

1 पाठ के आधार पर ग्रामीण संस्कृति का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए |

2-बच्चे का पिता से लगाव होने के बावजूद भी वह मुसीबत के समय अपनी माँ के पास ही अपने आपको सुरक्षित महसूस क्यों करता है ? अपने विचार व्यक्त कीजिए-

---

3-बच्चों के खेलने की सामग्री मे प्राचीन काल से अभी तक क्या परिवर्तन आया है ? अपने विचार व्यक्त कीजिए -

---

4-बच्चों के विकास मे परिवेश के योगदान पर अपने विचार व्यक्त कीजिए-

---

कार्य पत्रक- कक्षा) दसवीं(

नाम :- .... **-: अनुभाग** .....

अनुक्रमांक ..... **-: दिनांक** ..... .-:

पाठ जॉर्ज पंचम की नाक 2

1 आप मूर्तिकार के स्थान पर होते तो क्या समाधान निकालते ?

---

2 आशय स्पष्ट कीजिए -' नयी दिल्ली में सब था सिर्फ़ नाक नहीं थी .....|'

---

3 पाठ द्वारा सरकारी तंत्र की किन कमियों को सामने रखा गया है? वर्तमान के परिपेक्ष में उत्तर लिखिए |

---

4 व्यक्ति के पहनावे के आधार पर हम उसके प्रति अपनी सोच का निर्माण करते है| यह कितना तर्कसंगत है? विचार प्रकट कीजिए |

---

5 समाज निर्माण में मीडिया की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए |

---

6 रानी एलीज़ाबेथ के दिल्ली आने पर दिल्ली की कायापलट हो रही थी-? आपके घर में कोई अतिथि आने वाला हो तो घर में क्या - क्या परिवर्तन किए जाते है?

कार्य पत्रक

नाम :- ..... -: कक्षा व वर्ग .....

अनुक्रमांक ..... -: दिनांक ..... .-:

रस

रस के कितने अंग होते हैं 1 ? नाम लिखिए |

रस कितने प्रकार के होते है 2? नाम लिखिए |

स्थायी भाव के प्रकार लिखिए 3|

निम्नलिखित पंक्तियों में निहित रस के नाम लिखिए 4|

क कहत नटत रीझत खीझत मिलत खिलत लजियात (|
भरै भुवन में करत हैं , नैनन ही सब बात ||----------

खपाय (ौ जी मैनें राम रत्न धन पायौ |
वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु,
कृपा कर अपनायों ||----------

ग (तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान

मृतक में भी डाल देगी जान

धूलि -धूसर तुम्हारे ये गात...

छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात

पारस पाकर तुम्हारा ही प्राण ,

पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण ----------

घरे नृप बालक कालबास बोलत तोहि न स (ँभार |

धनुही सम त्रिपुरारि धनु विदित सकाल संसार ||----------

ड़ एक और अजगर लखि (, एक और मृगराय|

विकल बटोही बीच ही, परयो मूरछा खाय ||----------

च लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं (वीरता की अवतार ,

देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार,

नकली युद्ध व्यूह की रचना , और खेलना खूब शिकार ,

सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना, ये थे उसके प्रिय खिलवाड़ ||----------

छबिनु गोपाल बैरनि भाई कुंज (ै|

तब ये लता लगती अति शीतल अब भई विषम जवाला की पुंजै|

वृथा बहति जमुना खग बोलत वृथा कमाल फूलै अलि गुंजै |

पवन पानि घन सार संजीवनि दधिसुत किरण भानुभाई भुंजै |----------

ज ('हरिऔध' कहुँकक कूकर हैं शव खत,

कतहूँ मसान में छछूंदरी मरी अहै' | ----------

- निम्नलिखित रस के लिए एक 6 एक उदाहरण लिखिए |

क) हास्य रस ----------

ख) अद्भुत रस ----------

ग) करुण रस ----------

घ) वीर रस ----------

ङ) भक्ति रस ----------

च) वात्सल्य रस ----------

छ) शृंगार रस ----------

पद परिचय

कक्षा-10

कार्य पत्रक

नाम :- ..... -: कक्षा व वर्ग .....

अनुक्रमांक ..... -: दिनांक ..... .-:

1 निम्नलिखित पदों का पद परिचय किन बिन्दुओं के आधार पर दिया जाता है ?

संज्ञा- ----------

सर्वनाम- ----------

विशेषण- ----------

क्रिया- ----------

अव्यय - ----------

---

2 रेखांकित पदों का पद परिचय लिखिए-

<u>अ-ईमानदार</u> नागरिक देश की तस्वीर बदल सकता है |

.....

ब-आज <u>दीपेश</u> आ रहा है |

.....

स-ध्वनि प्रदूषण एक बहुत बड़ी समस्या <u>बन गया है</u> |

.....

<u>द-मैंने</u> यह काम किया है |

.....

य-वह <u>धीरे-धीरे</u> चल रही है |

.....

र-मैं <u>भी</u> पढ़ रही हूँ |

.....

पद परिचय

कक्षा-10

कार्य पत्रक

नाम :- ..... -: कक्षा व वर्ग .....

अनुक्रमांक ..... -: दिनांक ..... .-:

2 रेखांकित पदों का पद परिचय लिखिए-

(i) तुम कहाँ जा रहे हो ?

.....

(ii) पिताजी समाचार-पत्र पढ़ रहें हैं |

.....

(iii) मैं माँ के पास रहता हूँ |

.....

(iv)सोना मूल्यवान धातु है

|.....

(v) मुझे जन्मदिन पर बहुत से उपहार मिले हैं

|.....

(vi) वाह! ताजमहल कितना सुंदर है |

.....

(vii)उसने अपने मित्र की सहायता की

|.....

(viii) मानव दसवीं कक्षा में अच्छे अंकों से पास हो गया

|.....

(ix) तालाब में सुंदर कमल खिले हुए हैं

|.....

(x) वह पत्र मिलते ही आ जाएगा

|.....

कार्य पत्रक

व्याकरण

नाम कक्षा अनुक्रमांक दिनांक

वाक्य

रचना के आधार पर वाक्य भेद :

(क)रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए:

1 शब्दों के सार्थक समूह को ---------- कहते हैं |

2 वाक्य के ---------- अंग होते हैं |

3 रचना के आधार पर वाक्य के ---------- भेद होते हैं |

(ख)निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उनके भेदों के नाम लिखिए |

1 आकाश दोस्तों के साथ पढ़ रहा है | ----------

2 मैंने एक व्यक्ति देखा जो बहुत पतला था |----------

3 तुम मेरी इच्छा जानती हो | ----------

4 पैसे देखते ही राहुल की आँखों में चमक आ गई | ----------

5 पहले एक प्रश्न करो फिर दूसरा करना | ----------

6 आप यहीं रुककर प्रतीक्षा करें | ----------

7 अध्यापिका के कक्षा में प्रवेश करते ही विद्यार्थी चुप हो गए | ----------

(ग) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए :

1 मेहनत करने पर ही सफलता मिलती है |(मिश्र वाक्य)

---

2 मैं व्यस्त था इसलिए मिलने नहीं आ सका (सरल वाक्य)

---

3 रामलाल जी पुस्तक उठाकर पढ़ने लगे | (संयुक्त वाक्य)

---

4 राधा ने कहा कि मैं चली जाऊँ | (सरल वाक्य)

---

5 विद्यालय समय पर पहुँचने के लिए जल्दी उठो | (मिश्र वाक्य)

(घ) रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए-

1 सोनिया ने अपने लिए एक नई कार खरीदी |

2 रुचि ने कहा कि मुझे घर जाना है |

3 पिताजी आ गए इसलिए मैं जा रही हूँ |

4 जब वह स्टेशन पर पहुँचा तब मैं उससे मिला |

5 यह वही व्यक्ति हैं जिन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है |

(ङ) निम्नलिखित मिश्र वाक्यों में आश्रित उपवाक्य छाँटकर उनका सही भेद लिखिए|

1 अर्जुन ने देखा कि जरासंध भाग रहा है |

---

2 जब तुम आओगे तभी मैं जाऊँगा |

---

3 मैंने उससे कहा कि वह बहुत भोली है |

---

4 जो कार मैंने खरीदी वह बहुत तेज़ चलती है |

---

5 जो व्यक्ति मेहनत करता है वह सफल होता है |

कार्य-पत्रक

कक्षा-10

1-वाच्य कितने प्रकार के होते हैं ?

उत्तर.....

.....

.....

2-निम्नलिखित वाक्यों मे वाच्य पहचानिए-

वाक्य	उत्तर-
छात्रों ने पत्र लिखा ।	
मोहन क्रिकेट नहीं खेलता है ।	
मैने पत्र लिखा ।	
छात्रों द्वारा पत्र लिखा गया।	
मोहन से क्रिकेट नहीं खेला जाता है।	
सीता से सोया गया ।	
घायल से बिस्तर से उठा नहीं जाता।	
पक्षियों द्वारा उड़ा जाएगा ।	

2-निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए-

अ-माँ से रोया भी नहीं जाता | (कर्तृ वाच्य मे)

उत्तर-.....

ब-राधा गाना गाती है | (कर्म वाच्य मे)

उत्तर-.....

स-बच्चों से खेला जाता है |(कर्तृ वाच्य मे)

उत्तर-.....

द-बच्चे दौड़ते हैं | (भाव वाच्य मे)

उत्तर-.....

य-महिमा सोती है | (भाव वाच्य मे)

उत्तर-.....

कार्य-पत्रक

विज्ञापन लेखन

1-विज्ञापन लेखन के समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए -

उत्तर.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न-2 बच्चों की साईकिल पर एक विज्ञापन लिखिए |

उत्तर.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न -3 नर्सरी में दाखिले हेतु एक प्ले स्कूल के लिए विज्ञापन लिखिए |

उत्तर.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न -4 मोबाईल का नया शोरूम खुला है , ग्राहकों को आकर्षित करते हुए विज्ञापन बनाइए |

उत्तर.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....